विधि (प्रश्न-पत्र–II)

निर्धारित समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़िये)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिये नियत अंक उसके सामने दिये गये हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिये, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गये उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिये।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जायेगी। आंशिक रूप से दिये गये प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जायेगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गये कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

LAW (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में उत्तर दीजिये। आपका उत्तर सुसंगत विधिक प्रावधानों और न्यायिक निर्णयों से समर्थित कीजिये :

Answer the following in about *150* words each. Support your answers with relevant legal provisions and judicial pronouncements : 10×5=50

(a) "*ऐक्टस रिअस* के साथ *मेन्स रिया* की उपस्थिति कृत्य को अपराध बनाती है।" व्याख्या कीजिये।

"The existence of *mens rea* along with commission of *actus reus* makes the act an offence." Explain.

(b) अपकृत्य विधि के अन्तर्गत प्रतिकर के अलावा कौन-से उपचार उपलब्ध हैं? उपयुक्त उदाहरणों के उद्धरण देते हुए विवेचन कीजिये।

What are the remedies available under the Law of Tort other than damages? Discuss by citing suitable illustrations.

(c) भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धाराएँ 326-A और 326-B की प्रभावशीलता का विश्लेषण कीजिये। *लक्ष्मी* बनाम *भारत संघ* के मामले, 2015 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने क्या अतिरिक्त सुझाव दिये हैं?

Analyze the effectiveness of Sections 326-A and 326-B of the Indian Penal Code, 1860. What additional suggestions have been made by the Supreme Court of India in *Laxmi* vs. *Union of India* Case in 2015 ?

(d) भारत में अस्पृश्यता नियंत्रण में सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 की धारा 7-A कहाँ तक प्रभावी है?

How far has Section 7-A of the Protection of Civil Rights Act, 1955 been effective to control untouchability in India?

(e) प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार इस आधारभूत सिद्धान्त पर आधारित है कि स्वयं की सहायता मनुष्य का प्राथमिक कर्तव्य है, किन्तु यह अधिकार निर्बाध (पूर्ण) नहीं है। समझाइये।

The Right of Private Defence is based on the cardinal principle that it is the primary duty of man to help himself, but this right is not absolute. Explain.

2. *(a)* अपकृत्य विधि के अन्तर्गत 'राज्य दायित्व' रूपान्तरणों से गुजरा है। निर्णयज विधि की सहायता से व्याख्या कीजिये।

The 'State Liability' under the Law of Tort has undergone metamorphosis. Explain with the help of case laws. 20

(b) ''भारतीय दण्ड संहिता (आइ० पी० सी०), 1860 की धारा 149 के प्रावधान अपराध के प्रश्न से सम्बन्धित हैं, जबकि धारा 34 साक्ष्य के प्रश्न से।'' इस कथन के कारणों का उल्लेख कीजिये।

"The provisions of Section 149 of the IPC, 1860 relate to the question of offence while Section 34 is a question of evidence." Give reasons for the statement. 15

(c) 'पूर्ण (आत्यंतिक) दायित्व' का नियम, 'कठोर दायित्व' से किस प्रकार भिन्न है? प्रासंगिक निर्णयों का उद्धरण दीजिये।

How is the rule of 'absolute liability' different from 'strict liability'? Cite the relevant judgements. 15

3. *(a)* 'विधि-विरुद्ध जमाव' से आप क्या समझते हैं? उन परिस्थितियों का विवेचन कीजिये, जब विधिसंगत जमाव विधि-विरुद्ध हो जाता है। सुसंगत उदाहरणों के साथ अपने उत्तर का समर्थन कीजिये।

What do you understand by an 'unlawful assembly'? Discuss the circumstances when a lawful assembly becomes unlawful. Support your answer with suitable illustrations. 20

(b) '' 'प्रतिष्ठा का अधिकार' प्रत्येक व्यक्ति का अंतर्निष्ठ व्यक्तिगत अधिकार माना जाता है।'' भारत में मानहानि सम्बन्धी विधि के प्रकाश में इस कथन का विवेचन कीजिये।

"The 'Right of Reputation' is acknowledged as an inherent personal right of every person." Discuss the statement in the light of Law of Defamation in India. 15

(c) ''पीड़ित की सहमति, बलात्कार के अपराध को नकारती है।'' विवाह की झूठी प्रतिज्ञा देकर अपराधी द्वारा प्राप्त की गई सहमति के मामले में यह कहाँ तक सही है?

"The consent of victim negates the offence of rape." How far will it be true in case it is obtained by the offender on the false promise of marriage? 15

4. *(a)* भारत में 'आत्महत्या के प्रयास' से सम्बन्धित विधि का सार प्रस्तुत कीजिये। भारत में आत्महत्या के प्रयास के कानून में मेंटल हेल्थकेयर अधिनियम, 2017 ने कहाँ तक नये आयाम जोड़े हैं?

Summarize the law relating to 'attempt to suicide' in India. How far the Mental Healthcare Act, 2017 added new dimensions to the law of attempt to suicide in India? 20

(b) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियमों, 2020 के अन्तर्गत ऑनलाइन उपभोक्ताओं को प्रदत्त सुरक्षाओं की विधिक रूपरेखा बनाइए।

Outline the legal framework for the protection of online consumers provided under the Consumer Protection Act, 2019 and the Consumer Protection (E-Commerce) Rules, 2020. 15

(c) ''प्राथमिक रूप से विधि द्वारा निर्धारित कर्तव्य के भंग होने से अपकृत्यात्मक दायित्व उत्पन्न होता है। यह कर्तव्य सामान्यतया व्यक्तियों के प्रति होता है और इसका भंग अपरिनिर्धारित नुकसानी के लिए कार्यवाही द्वारा उपचारयोग्य होता है।'' टिप्पणी कीजिये।

"Tortious liability arises from breach of duty primarily fixed by the law. This duty is towards persons generally and its breach is redressible by an action for unliquidated damages." Comment. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में उत्तर दीजिये। आपका उत्तर सुसंगत विधिक प्रावधानों और न्यायिक निर्णयों से समर्थित कीजिये :

Answer the following in about *150* words each. Support your answers with relevant legal provisions and judicial pronouncements : 10×5=50

(a) ''सभी संविदाएँ करार होती हैं, किन्तु सभी करार संविदाएँ नहीं होती हैं।'' कथन को विस्तार से समझाइये।

"All the contracts are agreements, but all the agreements are not contracts." Elucidate the statement.

(b) परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 की अर्द्ध (कल्प)-आपराधिक प्रकृति का विवेचन कीजिये।

Discuss the quasi-criminal nature of Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881.

(c) भारत में पर्यावरण-सम्बन्धी विधियों के पुनरावलोकन हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति (जिसे टी० एस० आर० सुब्रमण्यम समिति के नाम से जाना जाता है) के प्रतिवेदन, 2014 के निहितार्थों (विवक्षाओं) का विवेचन कीजिये।

Discuss the implications of the High Level Committee (known as T. S. R. Subramanian Committee) Report, 2014 for review of environment-related laws in India.

(d) माल विक्रय अधिनियम, 1930 के अधीन प्रदत्त शर्तों और आश्वासनों (वारन्टी) को विस्तार से बताइये।

Elaborate the conditions and warranties provided under the Sale of Goods Act, 1930.

(e) ''कार्य से कोटेशन (कोटेशन फ्रॉम वर्क), जो कि पूर्व से ही जनता (लोक) को विधितः उपलब्ध कराये जाते हैं, प्रतिलिप्यधिकार का अतिलंघन नहीं करते हैं।'' टिप्पणी कीजिये।

"The quotation from a work which has already been lawfully made available to the public does not constitute infringement of copyright." Comment.

6. (a) ''प्रतिभू का दायित्व, मूल ऋणी के दायित्व के समविस्तीर्ण होता है, जब तक कि संविदा द्वारा अन्यथा प्रदत्त न हो।'' इस कथन को उन परिस्थितियों, जिनमें एक प्रतिभू को उसके दायित्व से उन्मोचित किया जाता है, का वर्णन करते हुए समझाइये।

"The liability of a surety is coextensive with principal debtor, unless it is otherwise provided by the contract." Elucidate the statement by narrating the circumstances under which a surety is discharged from his liability. 20

(b) प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के अधीन प्रतिबन्धित 'प्रभुत्व के दुरुपयोग' और 'अनुचित व्यवहार' से आप क्या समझते हैं?

What do you mean by 'abuse of dominance' and 'abusive conduct' prohibited under the Competition Act, 2002? 15

(c) भारत में त्वरित राहत (उपचार) प्रदान करने में आपातकालीन पंचाट की अवधारणा का विस्तारपूर्वक निरूपण कीजिये।

Dwell on the concept of emergency arbitration in providing expeditious relief in India. 15

7. (a) संविदा की नैराश्यता तथा पर्यवेक्षणीय असंभावनाओं की परिस्थितियों का निर्णीत विधि के आलोक में वर्णन कीजिये।

State the circumstances of supervening impossibility and frustration of contract in the light of the decided cases. 20

(b) ''सूचना तकनीकी अधिनियम, 2000 का उद्देश्य ई-कॉमर्स का विकास करना था, किन्तु यह व्यापारियों के विकास-सृजन और उपभोक्ताओं के आत्मविश्वास को संतुष्ट करने में असफल रहा है।'' टिप्पणी कीजिये।

"The Information Technology Act, 2000 aimed at e-commerce development, but failed to satisfy growth-building traders and consumer confidence." Comment. 15

(c) ''बिना प्रतिफल के करार शून्य है।'' क्या इसका कोई अपवाद है? उपयुक्त उदाहरण देकर विवेचना कीजिये।

"An agreement without consideration is void." Is there any exception to it? Discuss by giving suitable illustrations. 15

8. (a) एक अभिकरण की अनिवार्यताएँ क्या हैं? भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के अधीन अभिकरण किस प्रकार सृजित और समाप्त किया जाता है?

What are the essentials of an agency? How is an agency created and terminated under the Indian Contract Act, 1872? 20

(b) ''समय संविदा का सार-तत्त्व है।'' नियत समयावधि में दायित्व को पूर्ण न कर पाने के मामले में पीड़ित पक्ष को क्या उपचार उपलब्ध हैं?

"Time is an essence of the contract." What are the remedies available to the aggrieved party in case of non-fulfilment of obligation within the stipulated time? 15

(c) नोवार्टिस मामला, 2013 के सन्दर्भ में पेटेन्ट अधिनियम, 1970 की धारा 3(d) की परिधि (सीमा) और क्षेत्र की विवेचना कीजिये।

Discuss the ambit and scope of Section 3(d) of the Patent Act, 1970 in the context of the Novartis Case, 2013. 15

★★★